भीतर का सौन्दर्य आवश्यक : युवाचार्यश्री महाश्रमण

लाडनूं, 1 मई।

जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आयोजित अवशिष्ट स्वागत समारोह युवाचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि लाडनूं आचार्यश्री तुलसी की जन्म स्थली है जो लाडनूं के लिए गौरव की बात है। यहां ऐसी विभूति ने जन्म लिया जिन्होंने मानव जाति के उत्थान के लिए काम किया था। उन्होंने कहा कि जैन विश्व भारती आने के बाद ऐसा लगता है हमें मंजिल मिल गई है। मैंने परिसर को देखना प्रारंभ कर दिया है इसका नया रूप सामने आया है। उन्होंने कहा कि बाहर को देखने के साथ भीतर को देखने का प्रयास करें, क्योंकि भीतर का सौंदर्य आवश्यक है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि संस्कार निर्माण, साहित्य सृजन का कार्य भी सामने है जिसे इस प्रवास के दौरान आचार्यश्री महाप्रज्ञ के सान्निध्य में संपन्न करना है।

इस अवसर पर मुनिश्री तन्मय कुमार ने गीत एवं मुनिश्री अभिजीत कुमारजी, मुनि गौरव कुमार ने अपने विचार व्यक्त किये। साध्वी रामकुमारीजी व सहव्रती साध्वियों ने ''प्रभुवर पधारया म्हारे आंगने, दर्शन पाया मन हर्षाया'' गीत की प्रस्तुति दी। स्थानीय तेरापंथ महिला मण्डल की अध्यक्ष सुनीता बैद, डॉ. सुशीला बाफना, रणजीत सेठिया एवं तेरापंथ कन्या मण्डल ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम का संचालन मुनिश्री मोहजीत कुमार ने किया।

''महात्मा महाप्रज्ञ'' कृति चर्चा में

लाडनूं, 1 मई।

युवाचार्यश्री महाश्रमण द्वारा आचार्यश्री महाप्रज्ञ के जीवन दर्शन पर निर्मित ''महात्मा महाप्रज्ञ'' कृति की चर्चा जोरों पर है। इस कृति को इतना पसंद किया जा रहा है कि प्रकाशन के दो महीनों के भीतर पांचवा संस्करण प्रकाशित किया जा रहा है। आदर्श साहित्य संघ से प्रकाशित इस पुस्तक को जन–जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित श्री बिमलकुमार नाहटा ने बताया कि ''महात्मा महाप्रज्ञ'' कृति प्रत्येक व्यक्ति के लिए पठनीय है। इसको सब जगह उपलब्ध करवाया जायेगा। इससे पूर्व भी श्री नाहटा ने आचार्यश्री महाप्रज्ञ की अनेक कृतियों को जन सुलभ बनाने में अपना श्रम, समय एवं धन नियोजित किया है।

आज करेंगे तुलसी स्मारक का अवलोकन

लाडनूं, 1 मई।

राष्ट्रसंत आचार्यश्री महाप्रज्ञ आज (2 मई) प्रातः 6.15 पर अपने शिष्य समुदाय के साथ अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी स्मारक का अवलोकन करेंगे। इस स्मारक का नवीनीकरण अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल द्वारा किया जा रहा है, उक्त जानकारी मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्षा सायददेवी बैद एवं महामंत्री वीणा बैद ने दी।

विशेष : **जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी, युवाचार्यश्री महाश्रमणजी के प्रतिदिन होने वाले प्रवचन का समय प्रातः 9.00 बजे से 10.15 बजे तक हेगा।**